



॥ श्री कुबेर पूजा विधि ॥
॥ श्री कुबेराय नमः ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्री कुबेर पूजा विधि ॥

॥ ॐ श्री कुबेराय नमः ॥

भगवान कुबेर देवताओं के कोषाध्यक्ष, धन, वैभव, समृद्धि एवं नवनिधियों के अधिपति माने जाते हैं। वे भगवान शिव के परम भक्त तथा उत्तर दिशा के दिक्पाल हैं। श्रद्धा, सदाचार और धर्मपूर्वक उनकी पूजा करने से जीवन में सुख, समृद्धि, ऐश्वर्य, व्यापार में उन्नति तथा धन का सदुपयोग करने की प्रेरणा प्राप्त होती है।

पूजा का शुभ समय

प्रतिदिन प्रातःकाल या प्रदोष काल, शुक्रवार विशेष शुभ माना जाता है, धनतेरस एवं दीपावली के दिन, अक्षय तृतीया। पूर्णिमा एवं पुष्य नक्षत्र में, नए व्यापार, कार्यालय या तिजोरी की स्थापना के समय।

पूजा सामग्री

श्री कुबेर जी की प्रतिमा या चित्र, लाल या पीला स्वच्छ वस्त्र लकड़ी की चौकी, लाल अथवा पीला आसन कलश, गंगाजल या स्वच्छ जल, रोली, कुमकुम एवं चंदन अक्षत (साबुत चावल), लाल, पीले या सफेद पुष्प धूप एवं दीप, नैवेद्य (मिष्ठान, खीर, मिश्री, फल) पंचामृत (वैकल्पिक), सुपारी, लौंग, इलायची नारियल, दक्षिणा, कपूर, आरती की थाली

पूजा से पूर्व

प्रातः स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करें। पूजा स्थान को स्वच्छ करें तथा उत्तर दिशा की ओर कुबेर जी की प्रतिमा स्थापित करें। स्वयं पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख करके बैठें।

संकल्प

दाहिने हाथ में जल, अक्षत और पुष्प लेकर संकल्प करें—
मम परिवारस्य सुख-समृद्धि-आरोग्य-ऐश्वर्य-धर्मवृद्ध्यर्थं श्रीकुबेरपूजनं
करिष्ये।

गणेश पूजन

सबसे पहले भगवान श्रीगणेश का स्मरण करें—
ॐ गं गणपतये नमः॥

कलश स्थापना

कलश में स्वच्छ जल भरकर आम के पत्ते रखें और नारियल स्थापित
करें। कलश को शुभता एवं समृद्धि का प्रतीक मानकर पूजन करें।

ध्यान

कुबेर जी का ध्यान करें—
रत्नसिंहासनासीनं स्वर्णवर्णं चतुर्भुजम्।
निधीनां पतिमीशानं ध्यायेद् वैश्रवणं प्रभुम्॥

आवाहन

ॐ श्री कुबेराय नमः। आवाहयामि, स्थापयामि, पूजयामि।

पूजन

क्रमशः निम्न अर्पित करें—
आचमन, चंदन, अक्षत, पुष्प, धूप, दीप, नैवेद्य, फल
ताम्बूल, दक्षिणा

मंत्र जप

निम्न मंत्रों में से किसी एक का श्रद्धापूर्वक 11, 21, 51 या 108 बार
जप करें।

मूल मंत्र

ॐ श्री कुबेराय नमः॥

धनप्रद मंत्र

ॐ यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय धनधान्याधिपतये।
धनधान्यसमृद्धिं मे देहि दापय स्वाहा॥

स्तुति

कुबेर जी की स्तुति या कवच का पाठ करें और धर्मपूर्वक धन के उपयोग की प्रार्थना करें।

आरती

श्रद्धा एवं भक्ति से श्री कुबेर जी की आरती करें।

क्षमा प्रार्थना

मन्त्रहीनं क्रियाहीनं भक्तिहीनं सुरेश्वर।
यत्पूजितं मया देव परिपूर्णं तदस्तु मे॥
अपराधसहस्राणि क्रियन्तेऽहर्निशं मया।
दासोऽयमिति मां मत्वा क्षमस्व धनद प्रभो॥

प्रसाद वितरण

पूजा पूर्ण होने पर परिवार के सभी सदस्यों को प्रसाद वितरित करें तथा ईश्वर से प्राप्त समृद्धि का सदुपयोग करने का संकल्प लें।

पूजा के लाभ

धर्मसम्मत धन एवं समृद्धि की कामना।
व्यापार एवं कार्यक्षेत्र में उन्नति की प्रार्थना।
परिवार में सुख, शांति एवं ऐश्वर्य का भाव।
धन के सदुपयोग, दान और सेवा की प्रेरणा।
सकारात्मक ऊर्जा, आत्मविश्वास और कृतज्ञता का विकास।

विशेष ध्यान

धन प्राप्ति के साथ सदाचार, परिश्रम और ईमानदारी का पालन करना ही कुबेर उपासना का मूल संदेश है।
पूजा के बाद यथाशक्ति दान, अन्नदान या किसी जरूरतमंद की सहायता करना अत्यंत शुभ माना जाता है।
कुबेर पूजा को भगवान शिव एवं माता लक्ष्मी की आराधना के साथ करने से भक्तिभाव और आध्यात्मिकता का संतुलन बना रहता है।

॥ ॐ श्री कुबेराय नमः ॥

